गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

List of New Course(s) Introduced

Department : *Hindi*

Programme Name : *Ph.D.*

Academic Year : 2021-22

List of New Course(s) Introduced

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
1.	1001	अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया
2.	1002	इतिहास दर्शन और आधुनिक चिंतन
3.	1003.1	वैकल्पिक प्रश्नपत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य) - भक्ति साहित्य
4.	1003.2	वैकल्पिक प्रश्नपत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य)- उपन्यास,
5.	1003.3	वैकल्पिक प्रश्नपत्र अस्मितामूलक साहित्य
6.	1004	शोध आलेख और सेमिनार

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Minutes of Meetings (MoM) of Board of Studies (BoS)

Academic Year : 2021-22	
School	: *Arts*
Department	: *Hindi*
Date and Time	: *Jan 10, 2022 – 11:30 AM*
Venue	: *E-Class Room*

अध्ययनमण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

- दिनांक 10/01/2022 को हिन्दी विभाग में गूगल मीट पर ऑनलाइन बैठक आयोजितकी गई।
- बैठक में अध्ययनमण्डल समिति के समस्त सदस्यगण ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।
- बैठक में प्रस्तावित पीएच.डी. पाठ्यक्रम पर चर्चा की गई और इसे यथारूप में लागू करने की अनुशंसा की गई।

1- प्रो. देवेन्द्र नाथ सिंह आचार्य, विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, एवं अधिष्ठाता, कला अध्ययनशाला गुरु घासीदास विश्वविद्यालय , बिलासपुर (छ.ग.)

2- प्रो. खेम सिंह डहेरिया प्राध्यापक, हिंदी विभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय , अमरकंटक (म.प्र.) एवं मा. कुलपति (अटलबिहारी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल) (मान. कुलपतिजी द्वारा नामित सदस्य)

3- डॉ. गौरी त्रिपाठी सह प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

4- डॉ. रमेश कुमार गोहे सहायक प्राध्यापक , हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ,बिलासपर (छ.ग.)

5- श्री मुरली मनोहर सिंह सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,बिलासपुर (छ.ग.)

- बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार किया गया ।
- स्वीकृत CBCS प्रणाली की यथावत स्वीकृति समिति की बैठक में पाठ्यक्रम की CBCS प्रणाली पर परिचर्चा करते हुए अपनी सहमति प्रदान की।
- निम्नलिखित नई पाठ-योजनाओं को पीएच.डी. के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया -
- अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया
- इतिहास दर्शन और आधुनिक चिंतन
- वैकल्पिक प्रश्नपत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य) - भक्ति साहित्य
- वैकल्पिक प्रश्नपत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य)- उपन्यास,
- वैकल्पिक प्रश्नपत्र अस्मितामूलक साहित्य
- शोध आलेख और सेमिनार

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)
Signature & Seal of HoD

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

हिंदी विभाग

(कला अध्ययनशाला)

सत्र : 2021-22 एवं क्रमशः हेतु

संचालित

पीएच.डी. कोर्स वर्क पाठ्यक्रम

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास वि.वि., / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
हिंदी विभाग
(कला अध्ययनशाला)

अध्ययनमण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

- दिनांक 10 जनवरी 2022 को हिन्दी विभाग में गूगल मीट पर ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई।
- बैठक में अध्ययनमण्डल समिति के समस्त सदस्यगण ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।
- बैठक में प्रस्तावित प्री पीएचडी पाठ्यक्रम पर चर्चा की गई और इसे यथारूप में लागू करने की अनुशंसा की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

अध्ययन मंडल के सदस्यगण			**हस्ताक्षर**
01	प्रो. देवेन्द्र नाथ सिंह - आचार्य, विभागाध्यक्ष : हिंदी विभाग, एवं अधिष्ठाता, कला अध्ययनशाला, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	अध्यक्ष	[signature]
(2)	प्रो. खेम सिंह डहेरिया - प्राध्यापक, हिंदी विभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.) एवं मा. कुलपति (अटलबिहारी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल) (मान. कुलपतिजी द्वारा नामित सदस्य)	सदस्य	ऑनलाइन उपस्थित रहे साथ अनुमोदित
(3)	डॉ. गौरी त्रिपाठी - सह प्राध्यापक हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग)	सदस्य	[signature]
(4)	डॉ. रमेश कुमार गोहे - सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य	[signature]
(5)	श्री मुरली मनोहर सिंह - सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य	[signature]

पाठ्यक्रम प्रस्तावना

प्री०पीएच.डी. कोर्स वर्क

हिन्दी साहित्य के विविध क्षेत्रों एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के साथ-साथ शोध के नवीन तथ्यों व प्रविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्री पीएचडी कोर्स वर्क का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत शोध की अधुनातन तकनीकी प्रविधियों एवं विश्लेषण के नए मानदंडों को अपनाते हुए पाठ्यक्रम का स्वरूप निर्मित किया गया है, जिससे शोधार्थियों को शोध संबंधी आधारभूत ज्ञान एवं उचित मार्गदर्शन मिल सके एवं विद्यार्थी अपने शोध में नवीन तकनीकों एवं प्रविधियों का लाभ उठा सकें।

अंक योजना :

विश्वविद्यालय निर्देशों के अनुरूप प्री-पीएच.डी. कोर्स वर्क की परीक्षा होगी।

प्रश्न-पत्र

पाठ्यक्रम क्रेडिट

1001*: अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया
1002 इतिहास दर्शन और आधुनिक चिंतन
*1003.1 वैकल्पिक प्रश्न-पत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य) -भक्ति साहित्य
1003.2 वैकल्पिक प्रश्न पत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य उपन्यास)
1003.3 वैकल्पिक प्रश्नपत्र (अस्मिता मूलक साहित्य)
1004 शोध आलेख और सेमिनार

* पाठ्यक्रम 1003 के अंतर्गत विद्यार्थी किसी एक विकल्प का चयन करेगा।

प्री. पीएच.डी. कोर्स वर्क

पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1001

अनुसंधान की प्राविधि एवं प्रक्रिया

प्रथम इकाई : शोध व्युत्पत्ति और अर्थ, आलोचना, अनुसंधान अन्वेषण एवं शोध का अंतरशोध का प्रयोजन, शोध के मूल तत्व, शोध और सर्जनात्मकता।

शोध के प्रकार : साहित्यिक शोध पाठ संबंधी शोध, वैज्ञानिक शोध, तुलनात्मक शोध, ऐतिहासिक शोध।

शोध की प्रक्रिया : विषय चयन विषय की रूपरेखा सामग्री संकलन तथ्य संकलन।

शोध का व्यवहारिक पक्ष : अध्ययन क्षेत्र की सीमा, शोध प्रस्ताव इंडेक्स कार्ड प्रणाली, आधारभूत सामग्री और सन्दर्भ ग्रन्थ सूची, सामग्री संकलन की प्रक्रिया।

द्वितीय इकाई : पाठानुसंधान: आशय, स्वरूप और सीमा पाठ निर्धारण एवं प्रक्रिया सामग्री संकलन के स्रोत खोज रिपोर्ट, कैटलाग्स पुस्तकें संस्थान पश्चानुसंधान और पाठालोचन में अंतर पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत।

तृतीय इकाई : भाषानुसंधान, व्याकरण संबंधी अनुसंधान एवं शैली वैज्ञानिक अनुसंधान, लोक एवं लोक साहित्य संबंधी अनुसंधान।

चतुर्थ इकाई : तुलनात्मक अनुसंधान, अन्तःभाषा-अंतर्भाषा, तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न सिद्धांत, फ्रांसीसी अमेरिकी और जर्मन स्कूल भारतीय सन्दर्भ में तुलनात्मक साहित्य अध्ययन के क्षेत्र और संभावनाएं, तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका, साहित्य अनुसंधान में ऐतिहासिक एवं समाजशास्त्रीय प्रविधि का प्रयोग, हिन्दी साहित्य में शोध का इतिहास।

पंचम इकाई : **शोध एवं प्रकाशन संबंधी नैतिकता** : विषय का सामयिक महत्त्व, शोध विषय की मौलिकता, सन्दर्भ एवं उद्धरणों का महत्त्व, प्रकाशन की मौलिकता, शोध प्रविधि में मौलिकता का महत्त्व।

सहायक ग्रन्थ :

1. शोध प्रविधि महत्व : डॉ. विनय मोहन शर्मा
2. अनुसंधान प्रविधि : एस. एन. गणेशन
3. अनुसंधान का शोध सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र
4. हिंदी अनुसंधान : विजयपाल डॉ सिंह
5. स्वरूप : डॉ सावित्री सिन्हा
6. पाठालोचन : मिथिलेश कांटी, विमलेश कांति
7. पाठालोचन : डॉ. सियाराम तिवारी
8. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इन्द्रनाथ चौधुरी

प्री०पीएच-डी. कोर्स वर्क

पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1002

इतिहास दर्शन और आधुनिक चिंतन

प्रथम इकाई : इतिहास दृष्टि और साहित्येतिहास लेखन पद्धति, इतिहास दर्शन और साहित्यिक इतिहास। साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्या।

द्वितीय इकाई : काल विभाजन का आधार, साहित्यिक प्रवृत्तियों का अन्तः सम्बन्ध, इतिहास और आलोचना, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी परिप्रेक्ष्य। पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिन्दी नवजागरण, आधुनिक बोध और औद्योगिक संस्कृति साहित्य का समाजशास्त्र।

तृतीय इकाई : साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद, मार्क्सवाद एवं नवमार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद : फ्रायड, एडलर और युंग।

चतुर्थ इकाई : गांधीवाद, अस्तित्ववाद, रूपवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं उत्तर आधुनिकतावाद, प्राच्यवाद, राष्ट्रवाद, नवउपनिवेशवाद, भूमंडलीकरण, दलित एवं स्त्री अस्मिता लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र एवं जनसंचार के साधन।

सहायक ग्रंथ -

1- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय
2- साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन : निर्मला जैन
3- अस्तित्ववाद और मानववाद : ज्यां पाल सार्त्र
4- मार्क्सवादी साहित्य चिंतन : शिवकुमार मिश्र
5- वैज्ञानिक भौतिकवाद : राहुल सांकृत्यायन
6- वित्तीय पूँजी और उत्तर-आधुनिकता : राजेश्वर सक्सेना
7- आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता और नव-समाजशास्त्रीय सिद्धांत : एस.एल. दोषी
8- मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र और हिन्दी : कुँवरपाल सिंह
9- स्त्री-उपेक्षिता : सीमोन द बोउवा
10- भारतीय समाज एवं विचारधाराएँ : डी. आर. जाटव
11- हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा

प्री-पीच-डी. कोर्स वर्क

पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1003.1

वैकल्पिक प्रश्नपत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य) भक्तिकाव्य

प्रथम इकाई : भक्ति का स्वरूप, भगवद्गीता का भक्तियोग, शांडिल्य एवं नारद के भक्ति सूत्र, भागवत में भक्ति का स्वरूप भक्ति आन्दोलन के उदय की ऐतिहासिक, सामाजिक सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं दार्शनिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, भक्ति द्राविडी उपजी के वैचारिक आधार, तमिल के अलवार और नायनार संत।

द्वितीय इकाई : रामानुजाचार्य और भक्ति दर्शन, प्रमुख वैष्णव आचार्यों के भक्ति सम्प्रदाय और दार्शनिक विचार, वीर शैव सम्प्रदाय, महाराष्ट्र के महानुभाव और वारकरी सम्प्रदाय, कबीर, नानक और उत्तर भारत में निर्गुण भक्ति की परंपरा।

तृतीय इकाई : बंगाल का गौड़ीय सम्प्रदाय, वैष्णव सम्प्रदाय एवं प्रमुख कवि भक्ति आन्दोलन और शंकरदेव, भक्ति की गुजराती एवं उड़िया परंपरा, कश्मीरी भक्ति काव्य।

चतुर्थ इकाई : भक्ति की जान मीमांसा, भक्तिकाव्य में रहस्यवाद का सामाजिक पहलू भक्ति और स्त्री, भक्तिकाव्य में निहित विचारधाराएँ, भक्तिकाव्य में सामाजिक विद्रोह।

सहायक ग्रंथ

1- मध्यकालीन धर्म साधना : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2- हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3- संत तुकाराम : हरिरामचंद्र दिवेकर
4- उत्तरी भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी
5- संत साहित्य के प्रेरणास्रोत : परशुराम चतुर्वेदी
6- दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह
7- तुकाराम : भालचंद्र नेमाडे
8- चंडीदास : सुकार सेन,
9- राम दास : विश्वनाथ काशीनाथ राजवाड़े

प्री-पीच-डी. कोर्स वर्क

पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1003.2

वैकल्पिक प्रश्न-पत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य-उपन्यास)

प्रथम इकाई : भारतीय भाषाओं में उपन्यास के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्राचीन गद्य विधाएँ एवं उपन्यास का सम्बन्ध, भारतीय भाषाओं में प्रकाशित प्रथम उपन्यास, उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां – सुधारवादी आख्यान, रम्य आख्यान, अद्भुत कथा, ऐतिहासिक उपन्यास, दास्तान और किस्सा।

द्वितीय इकाई : यथार्थवाद का आरम्भ, बंकिमचंद्र चटर्जी और फकीरमोहन सेनापति। बीसवीं शताब्दी का पूर्वार्द्ध और भारतीय उपन्यास की विशिष्ट पहचान, स्वाधीनता संग्राम की भूमिका, प्रेमचंद और भारतीय किसान, शरतचंद्र और भारतीय नारी की पीड़ा।

तृतीय इकाई : भारतीय उपन्यास में नए यथार्थवाद का उदय, आंचलिक जीवन के उपन्यास, मनोविश्लेषणवादी उपन्यास, उपन्यास और राजनीति, मध्यवर्ग और उपन्यास, देश-विभाजन के उपन्यास, दलित उपन्यास।

पाठ :

चतुर्थ इकाई

पदमा नदी का मांझी	: मानिक बंदोपाध्याय
मछुआरे	: तकषी शिवशंकर पिल्लै
अमृत सन्तान	: गोपीनाथ महांती
गुजरात के नाथ	: कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी
संस्कार	: यू.आर. अनंतमूर्ति
कोसला	: भालचंद्र नेमाडे
आग का दरिया	: कुर्रतुल एन. हैदर
मढ़ी का दीवा	: गुरदयाल सिंह

सहायक ग्रन्थ :

1. बांग्ला साहित्य का इतिहास : सुकुमार सेन
2. प्रेमचंद और तकषी के उपन्यास : डॉ. एम. ए. करीम
3. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन : गौरीशंकर पण्ड्या
4. आज का हिन्दी उपन्यास : डॉ. इन्द्रनाथ मदान
5. हिंदी उपन्यास : रामदरश मिश्र
6. हिन्दी उपन्यास समाजशास्त्रीय विवेचन : चंडीप्रसाद जोशी
7. हिन्दी उपन्यास पहचान एवं परख : इन्द्रनाथ मदान

प्री-पीच.डी. कोर्स वर्क

पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1003.3

वैकल्पिक प्रश्न-पत्र (अस्मितामूलक साहित्य)

प्रथम इकाई : भारत की सामाजिक व्यवस्था का प्राचीन स्वरूप और दलित
दलित चेतना : आशय एवं वैशिष्ट्य, ऐतिहासिक परिचय
दलित समस्या : कारण और समाधान
वैदिक, उत्तरवैदिक सामाजिक-सांस्कृतिक आन्दोलन और दलित चेतना।

द्वितीय इकाई : भारतीय भाषाओं के दलित साहित्यकार, हिन्दी साहित्य में दलित जीवन और दलित चेतना।

तृतीय इकाई : प्राचीन भारतीय सामाजिक व्यवस्था और स्त्री
स्त्री- आंदोलन का ऐतिहासिक अध्ययन, धर्म और स्त्री
स्त्री आंदोलन का भारतीय स्वरूप, पश्चिम का नारीवादी आंदोलन।

चतुर्थ इकाई : भारतीय नारीवादी आंदोलन पर पश्चिम का प्रभाव
नारीवाद के पाश्चात्य एवं भारतीय सिद्धान्तकार
हिन्दी में स्त्रीवादी लेखन के विविध स्वर।

सहायक ग्रन्थ :

1 स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बोउवा
2 आधुनिकता के आईने में दलित : अभय कुमार दूबे
3 उपनिवेश में स्त्री : प्रभा खेतान
4 स्त्री पराधीनता : जॉन स्टुअर्ट मिल
5 दलित साहित्य की समस्याएँ : तेज सिंह
6 परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डे
7 स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका
8 बधिया स्त्री : जर्मन ग्रियर
9 दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि